हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 40 कांगड़ा। शनिवार, 01 फरवरी-07 फरवरी, 2025 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 19 माघ, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

दिनभर थकान का कारण हार्मोन्स की गड़बड़ी -पढ़ें पेज 3

जया एकादशी

हिन्दू धर्म में जया एकादशी व्रत का बड़ा महत्व है। यह व्रत भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का समर्पित है। मान्यता है कि, इस व्रत को करने से व्यक्ति के जीवन से रोग दूर होते हैं और अरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, इस व्रत से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति बैकुंठ धाम प्राप्त करता है...

हिन्दू धर्म में एकादशी का व्रत बहुत ही शुभ एवं फलदायी माना जाता है। एकादशी व्रत हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष पर व्रत रखा जाता है। शास्त्रों के अनुसार, एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की उपासना की जाती है। मान्यता है कि एकादशी का व्रत करने से जातकों को श्री हरि विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा जीवन के सभी दुख और संकट भी दूर होते हैं।

पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 07 फरवरी को रात 09 बजकर 26 मिनट पर हो रही है। वहीं, एकादशी तिथि का समापन 08 फरवरी को रात 08 बजकर 15 मिनट पर होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। ऐसे में जया एकादशी व्रत 08 फरवरी को किया जाएगा।

पंचांग के अनुसार, एकदाशी व्रत का पारण अगले दिन यानी द्वादशी तिथि का किया जाता है। ऐसे में जया एकादशी व्रत का पारण रविवार 9 फरवरी को किया जाएगा। पारण के लिए शुभ मुहूर्त की शुरुआत सुबह 7 बजकर 4 मिनट से लेकर 9 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। इस दौरान व्रत का पारण किया जा सकता है।

हिन्दू धर्म में जया एकादशी व्रत का बड़ा महत्व है। यह व्रत भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का समर्पित है। मान्यता है कि, इस व्रत को करने से व्यक्ति के जीवन से रोग दूर होते हैं और अरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही, इस व्रत से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति बैकुंठ धाम प्राप्त करता है। इसके अलावा, जया एकादशी के नाम से ही पता चलता है कि यह व्रत व्यक्ति को सभी कार्यों में विजय दिलाता हैं।

■ **पं. नित्यानंद**